PCSMANTRA.COM

भारत-जापान 2+2 संवाद: विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का नया चरण

समाचार-संदर्भ: 18 नवंबर 2026 | मुख्य परीक्षा: GS-2 | प्रिलिम्स: अंतर्राष्ट्रीय संबंध

इस लेख में: 2+2 संवाद क्या है, टोक्यो बैठक के एजेंडे, द्विपक्षीय संबंधों की समय-रेखा, रक्षा-सुरक्षा सहयोग, आर्थिक आयाम, अभ्यास प्रश्न, FAQ



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 18-19 नवंबर 2026 को टोक्यो में **चौथे भारत-जापान विदेश एवं रक्षा मंत्रियों के संवाद (2+2)** की सह-अध्यक्षता कर रहे हैं। जापान की ओर से रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी भाग ले रहे हैं। संवाद में द्विपक्षीय रणनीतिक और रक्षा सहयोग की पूरी समीक्षा, क्षेत्रीय-वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श और **मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत** की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि होगी। यह इस वर्ष दोनों रक्षा मंत्रियों की तीसरी बैठक है (अगस्त में नई दिल्ली, अक्टूबर में ADMM-Plus के मौके पर सेबू)।

2+2 संवाद क्या है

2+2 प्रारूप किसी देश के विदेश और रक्षा मंत्री की साझेदार देश के समकक्षों के साथ संयुक्त बैठक है - कूटनीति और रक्षा-नीति का संयुक्त मंच। भारत के ऐसे संवाद कुछ ही चुनिंदा देशों (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, रूस) के साथ हैं। भारत-जापान 2+2 की शुरुआत 2019 में नई दिल्ली में हुई; दूसरा संवाद 2022 में टोक्यो और तीसरा 2024 में नई दिल्ली में हुआ।

टोक्यो बैठक का एजेंडा

- **रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी सहयोग** को आगे बढ़ाना।
- **समुद्री सुरक्षा** - अगस्त 2026 में भारतीय नौसेना और जापान समुद्री आत्मरक्षा बल (JMSDF) के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग का समझौता-ज्ञापन (MoA) हस्ताक्षरित हुआ था।
- तीनों सेनाओं के **संयुक्त अभ्यासों का स्तर और जटिलता बढ़ाना**।
- **औद्योगिक साझेदारी** का विस्तार; संचालन, सूचना, उपकरण, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग के लिए गठित कार्यसमूह की प्रगति की समीक्षा।
- क्षेत्रीय विकास और हिंद-प्रशांत की सुरक्षा।

> **यह भी पढ़ें:** भारत–जापान संबंध: आर्थिक सुरक्षा और परियोजनाओं की चुनौती

संबंधों की पृष्ठभूमि

- **विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी (2014 से):** साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, पारस्परिक विश्वास और अभिसरणकारी रणनीतिक हितों पर आधारित।
- **16वाँ शिखर सम्मेलन (लगभग पाँच माह पूर्व):** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, दुर्लभ मिट्टी (rare earths) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में सहयोग बढ़ाने के उपायों का खुलासा किया और **आर्थिक सुरक्षा पर संयुक्त रोडमैप** अंतिम रूप दिया।
- **ACSA (2020 में हस्ताक्षर, 2021 से प्रभावी):** अधिग्रहण और क्रॉस-सर्विसिंग समझौता - दोनों सेनाएँ एक-दूसरे की आपूर्ति/सेवाएँ ले सकती हैं।
- **संयुक्त अभ्यास:** मालाबार (क्वाड के साथ नौसैनिक), JIMEX (द्विपक्षीय नौसैनिक), धर्म गार्डियन (थल सेना), वीर गार्डियन (वायु सेना)।
- **क्वाड और हिंद-प्रशांत:** भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और IPOI तथा जापान के FOIP दृष्टिकोण में तालमेल; क्वाड के तहत व्यापार मंच और समुद्री सूचना साझेदारी जैसे नए कदम।

आर्थिक और तकनीकी आयाम

- जापान भारत का प्रमुख निवेशक और प्रौद्योगिकी भागीदार; 2022 में पाँच वर्षों में 5 ट्रिलियन येन निवेश का लक्ष्य घोषित हुआ था।
- मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना जापानी तकनीक और वित्त का प्रतीक।
- सेमीकंडक्टर, ऊर्जा सुरक्षा, दुर्लभ मिट्टी और आर्थिक सुरक्षा - नए सहयोग-क्षेत्र।

चुनौतियाँ

- व्यापार-असंतुलन और निवेश-लक्ष्यों की वास्तविक प्रगति।
- चीन के प्रति दोनों की रणनीतिक चिंता के बावजूद आर्थिक निर्भरता का प्रबंधन।
- रक्षा-सहयोग समझौतों को घोषणा से कार्यान्वयन तक ले जाना।

आगे की राह

- संयुक्त अभ्यासों और उपकरण-सहयोग को परिचालन स्तर तक पहुंचाना; कार्यसमूह की मील-अवधियों का पालन।
- आर्थिक सुरक्षा रोडमैप पर आपूर्ति-शृंखला और महत्वपूर्ण खनिजों में ठोस परियोजनाएँ।
- हिंद-प्रशांत में नियम-आधारित व्यवस्था के लिए क्वाड और द्विपक्षीय तंत्रों का पूरक उपयोग।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: भारत-जापान 2+2 संवाद दोनों देशों की 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' को किस प्रकार संस्थागत रूप देता है? टोक्यो बैठक (नवंबर 2026) के संदर्भ में द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख आयामों का मूल्यांकन कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर-रचना के संकेत: 2+2 प्रारूप का अर्थ और इतिहास (2019); नवंबर 2026 एजेंडा - समुद्री सुरक्षा MoA, संयुक्त अभ्यास, औद्योगिक साझेदारी; शिखर-स्तरीय दिशा (16वाँ शिखर सम्मेलन, आर्थिक सुरक्षा रोडमैप); क्वाड/हिंद-प्रशांत संदर्भ; चुनौतियाँ और निष्कर्ष।

प्रश्न 2: बदलते हिंद-प्रशांत परिदृश्य में भारत-जापान समुद्री सुरक्षा सहयोग के महत्व का विश्लेषण कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

उत्तर-रचना के संकेत: समुद्री सुरक्षा MoA (अगस्त 2026); JIMEX/मालाबार; ACSA; नियम-आधारित व्यवस्था और SLOC; आपूर्ति-शृंखला सुरक्षा।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

2+2 संवाद क्या है?

दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की संयुक्त बैठक का प्रारूप; भारत-जापान में 2019 से चल रहा है।

भारत-जापान संबंधों को औपचारिक रूप से क्या कहा जाता है?

विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी (2014 से)।

हाल के कौन-से प्रमुख समझौते/पहल हुई हैं?

अगस्त 2026 का समुद्री सुरक्षा सहयोग MoA; ACSA (2020 हस्ताक्षर, 2021 से प्रभावी); 16वें शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा रोडमैप और रक्षा, ऊर्जा, दुर्लभ मिट्टी, AI में सहयोग।

स्रोत

- www.pib.gov.in
- www.hindustantimes.com
- www.mofa.go.jp

PCSMANTRA.COM